
आलस्य और अलबेलापन - 59

अव्यक्त बापदादा :-

» _ » बापदादा के पास भी हर एक का रिजस्टर हैं क्योंकि समय के अनुसार पहले से ही बापदादा बच्चों को सुना रहे हैं कि समय की रफ्तार अनुसार अभी कब नहीं कहो, अब कब हो जायेगा, कर लेंगे. होना तो है ही. यह नहीं सोची। होना तो है नहीं **अभी-अभी करना ही हैं, समय की रफ्तार तीव्र हो रही हैं.**

» _ » इसलिए जो लक्ष्य रखा है बाप समान बनने का, फुल पास होने का, 16 कला सम्पन्न बनने का, तो बापदादा भी यही चाहते हैं कि लक्ष्य और प्रैक्टिकल में लक्षण समान हों। जब लक्ष्य और लक्षण दोनों समान होंगे तब ही बाप समान सहज बन जायेंगे। तो चेक करो - हो जायेगा, बन ही जायेंगे. यह अलबेलापन है। जो करना है, जो बनना है, **जो लक्ष्य है, वह अभी से ही करना है, बनना है।** कभी शब्द नहीं लगाओ, अभी-अभी।

(03.02.2002)

- >> वर्तमान - जो भी करना है अभी करना है अब करना है
 - » _ » भविष्य और अतीत इसमे क्या होने वाला है या क्या हो चुका है अतीत मे
 - वो कल्पित समय है।
 - भविष्य कल्पित मात्र है
 - उसमे क्या होने वाला है ये ही पता नहीं
 - » _ » भविष्य की चिंता या फिर जो हो चुका है जिसे बदला नहीं जा सकता
 - » _ » जो है वर्तमान है
 - » _ » भविष्य मे जो होगा उसकी कल्पना से हम वर्तमान से डिटैच हो जाते है
 - किसी के साथ बहुतबुरा हुआ
 - ऐसा हुआ है जिसकी कभी कल्पना भी नहीं की जा सकती
 - फिर भी जो हो चुका है उसको बदला नहीं जा सकता।
 - इस के लिए सारा पुरुषार्थ आज जीने के लिए है आज और अभी
 - » _ » वर्तमान मे जीना है तो multi tasking की आदत को छोड़ना पड़ेगा।
 - भोजन कर रहे है तो केवल भोजन करना है
 - घूम रहे है तो केवल घूमना
 - मुरली सुन रहे हो तो मुरली ही सुननी है
 - अभी जो सामने है उसको जीना है
 - अभी present moment मे ही जीना है
 - जो एक कार्य कर रहे है केवल वही एक कार्य करना है

- » _ » एक है वर्तमान मे जीना और दूसरा अभी के अभी करना
 - उसको postpone नहीं करना
- » _ » भविष्य की चिंताओं पर सारा समय जाता है जिस पर हमारा कोई वश नहीं
 - अभी हाथ से निकल जाता है
 - सारा पुरुषार्थ जो करते है वो करेगे वो करेगे
 - जो अभी है वो भी हाथ से छूट रहा है

>> वर्तमान मे जीना

- » _ » जीना है वर्तमान मे इसी समय मे यही पर आज और अभी
 - मन न जाने कहां कहां यात्रा कर आता है विश्व का दौरा कर आता है शरीर यहीं है
 - मन को ट्रेनिंग ऐसी देनी है कि अब ये कार्य कर रहे है तो इसी को ही करेगे
 - संकल्प आते रहते है पर ये आदत बनानी है
 - ▶ Present moment awareness
 - ▶ Living in the present
 - ▶ Living in this moment
- » _ » इस पल मे एक सदी है सब कुछ छिपा हुआ है सब समाया हुआ है इस पल मे
 - » _ » वर्तमान मे जीने की आदत डालनी है
 - अतीत मे बहु तहु आहै ऐसा कोई व्यक्ति नहीं जिसके अतीत मे दु खदर्द पीडा कठिनाई न आया हो
 - हरेक को बहु तकुछ सहन करना पडा है।
 - परंतु उसका चिंतन करते रहे तो वो खो जायेगा
- » _ » आज नया दिन है नया सब कुछ हाथ मे आया है
 - अगर इन दस मिनट मे हम पास्ट का चिंतन का सकल्प करते है
 - जो चिंतन करते है उसी स्वरूप मे स्थित हो जाते है
 - जैसे मां को अपने बच्चे की याद आती है तो आंसू आ जाते है वो तो नहीं चाहती आंसू लाना क्योकि बाबा से प्रतिज्ञा की है।
 - जैसी स्मृति वैसा स्वरूप तुरंत बना

>> अविनाशी और निरंतर

- » _ » प्राप्तियों की लिस्ट निकालनी है
 - उसके लिए याद करेंगे ये मिला ये मिला
 - मिलने की खुशी होती है
 - तो उस स्वरूप मे स्थित हो जायेगे।
- » _ » कौन पत्थर उठा रहे है ??
 - प्रकृति जिनकी दासी है वह।
 - जिनका पूजन हो रहा है मंदिरों मे वह

→ **स्वयं भगवान जिनकी माला सिमरण करते हैं वह**

■ **पर ये मेहनत मेहनत नहीं मोहब्बत है**

■ **संगम का हर दिन तो होलीडे अभी है**

» _ » **गाना नाचना हंसना मौज मनाना ये वर्तमान में जीना है**

→ **नाचना वो स्थूल में नाचना नहीं है**

■ **अव्यक्त वतन वासी बन फरिश्ता इस पहन नाचना है**

■ **बुद्धि से नाचना है**

» _ » **वो घटनायें जिन में दुख भरा हुआ है ऐसी घटनाओं का स्मरण करना यानि उस पल को फिर से जीना है।**

→ **एक बार तो दुखी हो गए फिर से याद करके दुखी हो रहे हैं**

» _ » **जो पास्ट में जीता है वो कभी खुश नहीं हो सकता।**

» _ » **पास्ट को पास्ट कर दो और फिर मनाओ**

» _ » **अविनाशी और निरंतर दो शब्द जोड़ने हैं।**

→ **निरंतर प्राप्तियों को याद करना है**

→ **मिलन को याद करना है**

→ **हर त्यौहार इस मिलन का यादगार है**

» _ » **भविष्य**

→ **भविष्य में क्या क्या होगा भविष्य का क्या करे भविष्य की चिन्ताये।**

→ **बहुत कल्पना करते हैं ये करेंगे वो करेंगे**

■ **कल्पना के जगत में जीते हैं वर्तमान छूट जाता है।**

» _ » **जो लक्ष्य में है उसे लक्षण में आज लाना है**

→ **अभी लाना है अब लाना है इस पल में**

■ **यही वो पल है जो हमारे हाथ में है वो गया तो गया।**

अव्यक्त बापदादा :-

» _ » **फाइनल पेपर में यह माक्स जो हैं वह जमा होंगी। पास विद ऑनर होने में मदद मिलेगी। लेकिन जिन्होंने नहीं रखा हैं, कोई भी कारण है, है तो अलबेलापन और तो कुछ नहीं है लेकिन फिर भी कोई भी कारण से अलग नहीं रखा है तो बापदादा कहते हैं कि फिर भी एक मास अपना एकाउण्ट अभी से रखो और अगर अभी से एक मास एक्यूरेट, नम्बरवन वाला एकाउण्ट रखेंगे, तो बापदादा उसकी माक्स कट नहीं करेंगे, जो श्रीमत प्रमाण नहीं कर सके हैं। समझा। कट नहीं करेंगे लेकिन करना जरूरी है। श्रीमत न मानने से तो कट होती है ना!**

» _ » **अन्त में जब आप अपना पोतामेल ड्रामा अनुसार दिल के टी.वी. में देखेंगे और टी.वी. नहीं, अपने ही दिल की टी.वी. में बापदादा दिखायेंगे, तो उसमें इस श्रीमत की माक्स कट नहीं करेंगे। फिर भी बापदादा का प्यार है। समझते हैं कि बहुत जन्म के अलबेलेपन के संस्कार पक्के हैं ना, तो हो जाता हैं। लेकिन अभी अलबेले नहीं बनना, नहीं तो फिर पीछे बतायेंगे क्या होगा, अभी नहीं बताते हैं क्योंकि बापदादा ने सभी की वर्तमान समय की रिजल्ट देखी।**

» _ » **चाहे डबल फारेनर्स, चाहे भारतवासी, सभी बच्चों की रिजल्ट में देखा कि वर्तमान समय अलबेलेपन के बहुत नयेनये प्रकार बच्चों में हैं। अनेक प्रकार का अलबेलापन है। मन ही मन में सोच लेते हैं, सब चलता है। आजकल का सब**

बातों में यह विशेष स्लोगन है - 'सब चलता है' - यह अलबेलापन है। साथ में थोड़ा-थोड़ा भिन्न-भिन्न प्रकार का पुरुषार्थ वा स्वपरिवर्तन में अलबेलेपन के साथ कुछ परसेन्ट में आलस्य भी है। हो जायेगा, कर ही लेंगे. बापदादा ने नये-नये प्रकार की अलबेलेपन की बातें देखी हैं। इसलिए अपना सच्चा, सच्ची दिल से अलबेले रूप से नहीं, एकाउण्ट जरूर रखी। (28.03.2002)

➤➤ सच्ची दिल मे सच्चा अपना एकाउंट रखना

➤➤ _ ➤➤ अपनी चेकिंग करनी है कि आलस अलबेलापन तो नहीं है।

→ आलस हर दिन नये नये रूप से आता है

→ निर्णय जो लेना है आज लेना है आज के दिन क्या करना है

■ Happiness is the choice

■ आज के दिन खुश होना है या दुखी होना है

■ आज के दिन मे जीना है या पास्ट मे जीना है।

■ आज का दिन भविष्य की चिंताओं मे जीना है या आज जीना है।

■ आज क्या करना है अभी क्या करना है इसका निर्णय लेना है

► Happiness is daily decision

➤➤ _ ➤➤ अलबेलेपन का विशेष स्लोगन है सब चलता है ऐसा नहीं किया तो

क्या हुआ

→ एक दिन अमृतवेलानही किया तो क्या हुआ

→ एक दिन अमृतवेलाकम शक्तिशाली हुआतो क्या हुआ।

■ संस्कार इतने सूक्ष्म है तुरंत बन जाते है।

➤➤ _ ➤➤ सच्ची दिल मे सच्चा अपना एकाउंट रखो

➤➤ _ ➤➤ एकाउंट मे क्या देखना है ??

→ इतना सब कुछ किया फिर भी जीवन मे दुख है

■ तो अभी बहुतकुछ जानना समझना बाकि है।

➤➤ _ ➤➤ जीवन मे आज जहां है व परिस्थिति को जिस नजरिये से हम देख रहे

है कुछ समय बाद उसी को किसी और नजरिये से देखेगे व आगे आगे बढ़ते जायेगे।

→ आगे आगे बढ़ते जाना है।

➤➤ _ ➤➤ एक ही चीज को जब अलग अलग रीति से जब देखते है तो बुद्धि का

जैसे विकास होता है।

→ स्वयं को स्वयं ठीक करते जाना है

→ correct करते जाना है

→ सुधारते जाना है

→ ऐसा कोई नहीं है जो ये कहे कि मैं परफेक्ट हूं

→ फालो फादर ये मंत्र है

■ भाई बहन को नहीं देखना उनकी अच्छाई भी दिखेगी तो कमियां ही

दिखाई देगी।

➤➤ _ ➤➤ ये journey है

→ इस यात्रा मे आगे बढ़ाते जाना है

→ स्वयं की उन्नति करते जाना है।

→ सारा फोकस अपनी कमियों पर हो।

■ इतना ज्ञान होने के बाद भी अलवेलापन है तो क्या करना चाहिए

■ इसका मतलब अभी बहुतकुछ जानना बाकी है जो पता नहीं है।

» _ » पहले छोटी विजन छोटी थी अब बेहद की हो गयी है।

» _ » ये पड़ाव है पड़ाव को मंजिल नहीं समझ लेना

→ यहां हम पहुंचे हैं इसमें रुक नहीं जाना दौड़ते जाना है।
